जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 94 प्रभात चूरू, बुधवार 31 जुलाई, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भारतीय एथलीट मनु भाकर ने पैरिस ओलम्पिक में दूसरा मैडल भी जीत लिया है, मनु भाकर एक ओलंपिक में दो मैडल जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। मनु भाकर और सरबजोत सिंह की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को पेरिस ओलम्पिक 2024, में निशानेबाजी की10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में देश के लिए दूसरा कांस्य पदक जीता। इससे पहले उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य मैडल जीता था। चेटेउरौक्स में खेले गये मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दक्षिण कोरिया की जोड़ी को 16-10 से हराकर पदक अपने नाम कर लिया। मनु भाकर ने अपने शानदार गेम की शुरुआत करते हुए 10.2 का स्कोर हासिल किया। सरबजोत सिंह के 8.6 के स्कोर की वजह से भारत को पहले दो अंक गंवाने पड़े, लेकिन इसके बाद उन्होंने 10.5, 10.4 और 10 के स्कोर के साथ अच्छी वापसी की और भारत को अगले छः अंक लेने में मदद की। मनु भाकर ने अपने पहले सात शॉट्स में कम से कम 10 का स्कोर किया। सरबजोत सिंह छठे भारतीय निशानेबाज बन गए हैं, जिन्होंने ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक में मैडल अपने नाम किया है। सोमवार को मनु भाकर और सरबजोत सिंह क्वालिफाइंग राउंड में तीसरे स्थान पर रहे थे और कांस्य पदक के मुकाबले के लिए अपना स्थान पक्का किया था। निशानेबाजी में भारत के छह ओलंपिक पदकों में से दो अबकी बार के पैरिस 2024 में आए हैं। मनु भाकर शुक्रवार से शुरू होने वाली महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी। मनु भाकर 21 सदस्यीय भारतीय शूटिंग टीम की कई व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भाग लेने वाली एकमात्र एथलीट हैं।

जातिगत जनगणना की राहुल की मांग से विचलित हुई भाजपा?

भाजपा के कई महारथियों, जिनमें अनुराग ठाकुर व निर्मला सीतारमन भी शामिल हैं, ने राहुल पर निशाना साधा लोकसभा में तथा अपशब्दों का भी आदान-प्रदान हुआ

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। राहुल गांधी जाति के मुद्दे पर भाजपा को चोट पहुंचाने में सफल रहे हैं तथा इस बार उनकी उपलब्धि बड़ी है क्योंकि अनुराग ठाकुर और निर्मला सीतारमन सहित भाजपा नेताओं की पूरी जमात ने उनका अपमान किया व उन्हें अपशब्द कहें। ठाकुर और सीतारमन के भाषण का एजेण्डा ही राहुल को नीचा दिखाना था।

राहुल गांधी का ध्यान जन दलित, ओ.बी.सी., आदिवासियों व अन्य सहित आबादी के 73 प्रतिशत पर था, तब अनुराग ठाकुर ने यह कहकर तंज कसा कि "जिसकी जात का पता नहीं।"

जब समूचा विपक्ष विरोध में उठ खड़ा हुआ था, तब राहुल गांधी ने कहा कि वह हर तरीके का अपमान सहन करने और गालियां खाने के लिए तैयार हैं किन्तु फिर भी वह अनुराग ठाकुर से माफी मांगने के लिए नहीं कहेंगे,बल्कि वे लोकसभा में जाति जनगणना के विधेयक का पारित होना सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि अर्जुन की भांति उन्हें स्पष्ट है कि क्या किए जाने की जरूरत है।

निर्मला सीतारमन दक्षिण भारतीय हैं और उन्होंने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा है। वह उत्तर भारत की जातीय राजनीति की पेचीदगियों को नहीं समझती हैं। राहुल ने जब हलवा के बारे में बोला तो उन्होंने इमोशनल होते हुए कहा कि यह एक पुरानी परम्परा है जिसे राहुल अपमानित कर रहे हैं।

राहुल ने जातिगत राजनीति के अपने एकमात्र एजेण्डा पर ही पूरा फोकस रखा, जबकि वह हलवा की परम्परा के बारे में बोल रही थीं।

समस्या यह है कि भाजपा यदि जातिगत जनगणना पर सहमत हो जाती है तो इससे उसका धार्मिक और हिन्दू-मुस्लिम एजेण्डा फीका पड़ जाएगा, जिसे वह अब तक भुनाती रही है।

राहुल ने अपने भाषण में भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी को इंगित करके भद्दा कटाक्ष किया कि "जिसकी जात का पता नहीं........।" इस पर विपक्ष काफी उत्तेजित हुआ और राहुल गांधी ने कहा, मैं अपने लक्ष्य (जातिगत गणना) की प्राप्ति के लिये सब अपशब्द व अपमान सहने के लिये तैयार हूँ तथा अनुराग ठाकुर से, खेद प्रकट करने या क्षमा मांगने के लिये भी कुछ नहीं कहूंगा।**
- **निर्मला सीतारमन के बारे में उन्होंने जरूर यह टिप्पणी की कि उन्होंने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा और उत्तर भारत में जात का क्या और क्यों महत्व है, वे नहीं जानतीं।**
- **राहुल ने इस लय में यह भी कहा कि वे जात/जाति जनगणना की बात कर रहे थे और निर्मला जी प्री-बजट हलवा बनाने की पुरानी परम्परा पर की गई टिप्पणी से विचलित होकर, भावुक हो रही थीं।**
- **राहुल ने यह भी कहा कि भाजपा जात/जाति जनगणना की मांग स्वीकार नहीं कर सकती, क्योंकि इससे भाजपा का हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति का एजेण्डा कमज़ोर पड़ता है।**

मुख्यमंत्री ने मनु भाकर को बधाई दी

जयपुर, 30 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर एवं सरबजोत सिंह को, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

शर्मा ने कहा, भाकर एक ही ओलम्पिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गई हैं। उनकी इस उपलब्धि पर पूरा देश गौरवान्वित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश खेल क्षेत्र में प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है और नारी शक्ति खेलों में अपना परचम लहरा रही है।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को पेरिस ओलम्पिक में भाकर ने सरबजोत सिंह के साथ जोड़ी बनाकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया है। इससे पहले, रविवार को मनु भाकर ने व्यक्तिगत महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में अपना पहला कांस्य पदक और इस ओलंपिक में भारत का पहला पदक जीता था।

- **मनु भाकर पहली भारतीय एथलीट हैं, जिन्हें ओलम्पिक में दो पदक मिले हैं।**

वायनाड के पहाड़ी क्षेत्र में भारी भू-स्खलन से 116 मरे

राहुल और प्रियंका, पीड़ितों को सांत्वना देने बुधवार सुबह वायनाड पहुंचेंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बुधवार सुबह वायनाड के भू-स्खलन प्रभावित क्षेत्रों में जाएंगे और संकट की इस घड़ी में पीड़ित लोगों के साथ रहेंगे।

वायनाड जिले के पहाड़ी भाग में मंगलवार को भू-स्खलन हुआ था, जिसमें 116 लोगों की जान चली गई थी। मंगलवार सुबह हुए भू-स्खलन के बाद भारी वर्षा हुई, जिससे भारी विनाश हुआ। कई घर नष्ट हो गए, जलाशयों से पानी बाहर निकलने लगा और पेड़ उखड़ गए।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भू-स्खलन में मारे गये लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया तथा यूनाईटेड डैमोक्रेटिक फ्रंट (यू.डी.एफ.) के कार्यकर्ताओं से प्रभावित लोगों की मदद करने का अनुरोध किया।

सत्रहवीं लोकसभा के लिए वायनाड से निर्वाचित राहुल गांधी ने बताया कि उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और वायनाड के जिला कलैक्टर से बात की है और उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया है कि राहत अभियान चल रहे हैं।

विपक्ष के नेता ने वायनाड के मेप्पाडी के निकट हुए जबर्दस्त भू-स्खलन के कारण हुई जनहानि को लेकर गहरा खेद प्रकट किया।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट "एक्स" पर डाली एक पोस्ट में कहा कि "अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के लिए मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।"

राहुल गांधी ने कहा "मैंने केरल के मुख्यमंत्री और वायनाड के जिला कलैक्टर से सभी एजेन्सियों के साथ समन्वय सुनिश्चित करने, कंट्रोल रूम स्थापित करने और राहत कार्यों के लिए किसी तरह की जरूरी सहायता के बारे में सूचित करने का अनुरोध किया है।"

कांग्रेस नेता ने कहा कि "मैं केन्द्रीय मंत्रियों से बात करूंगा और उनसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राहुल गांधी ने बताया कि उन्होंने पीड़ितों को राहत पहुँचाने के बारे में केरल के मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन और वायनाड कलैक्टर से बात कर त्वरित राहत देने की अपील की है।**
- **राहुल ने केरल के कांग्रेस नीत गठबंधन, यूनाइटेड डैमोक्रटिक फ्रंट के कार्यकर्ताओं से भी पीड़ितों की मदद करने का आग्रह किया।**
- **राहुल और प्रियंका के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी वायनाड जा रहे हैं।**

3 अगस्त को पद भार ग्रहण करेंगे भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष

जयपुर, 30 जुलाई (का.सं.)। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ 3 अगस्त को दोपहर 12 बजे अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे। इसके लिए संगठन स्तर पर तैयारियां जोर-जोर से शुरू कर दी गई हैं। भाजपा कार्यालय के बाहर मंच बनाया जाएगा और प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं और नेताओं की मौजूदगी में अध्यक्ष मदन राठौड़ को कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा के प्रमुख राष्ट्रीय नेता और प्रदेश स्तरीय नेता भी इस ऐतिहासिक पल के गवाह बनेंगे। वहीं, बड़ी संख्या में उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **मदन राठौड़ 3 अगस्त को सुबह 7 बजे दिल्ली से रवाना होंगे, वे 9 बजे राजस्थान सीमा में प्रवेश करेंगे जहां उनका भव्य स्वागत होगा, फिर 11:30 बजे जयपुर पहुंचेंगे और 12 बजे से एक के बीच पदभार ग्रहण करेंगे।**

'मैंने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया'

अनुराग ठाकुर ने झेंपते हुए, अपनी निकृष्ट टिप्पणी के पक्ष में थोथी सी दलील दी

-डॉ.सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर पर मंगलवार को आरोप लगाया कि उन्होंने केन्द्रीय बजट पर बहस के दौरान उनका अपमान किया और उन्हें अपशब्द कहे।

ठाकुर ने तंज कसा था कि जिनकी जाति का पता नहीं है, वो जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं। गांधी ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जो भी कोई आदिवासी, दलित और पिछड़ों के मुद्दे उठाता है, उसे गालियां खानी पड़ती हैं।

अनुराग ठाकुर ने सदन में कहा था कि "जिनकी जाति का पता नहीं है, वे जातिगत जनगणना की बात करते हैं, मैं स्पीकर को स्मरण करवाना चाहूंगा कि पूर्व प्रधानमंत्री आर.जी.-1 ने ओ.बी.सी. आरक्षण की खिलाफत की थी।"

राहुल गांधी, जिन्होंने देश से वादा किया था कि यदि इण्डिया गठबंधन सत्ता में आया तो राष्ट्रव्यापी जातिगत जनगणना करवायी जाएगी, ने अपना वादा फिर दोहराया।

उन्होंने कहा कि "आप जितना चाहे उतना मेरा अपमान कर लें, लेकिन हम संसद में जातिगत जनगणना बिल पारित करवाएंगे।

ठाकुर ने बाद में इस आरोप से इन्कार किया और कहा कि उन्होंने अपनी टिप्पणी में किसी का नाम नहीं लिया था।

ठाकुर ने कहा कि "मैंने तो यह कहा था कि जो जाति के बारे में नहीं जानते वे जातिगत जनगणना के बारे में बात करते हैं। मैंने किसी का नाम नहीं लिया था।"

गांधी ने बाद में ठाकुर पर अपशब्द कहने और अपमान करने का आरोप लगाया। तथापि, उन्होंने कहा कि "मुझे उनसे कोई क्षमा याचना नहीं चाहिए।" जो भी आदिवासी दलित और पिछड़ों की बात करता है उसे गाली खानी पड़ती है। मैं इन गालियों को खुशी -खुशी स्वीकार करुंगा।"

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जातिगत जनगणना कांग्रेस पार्टी का प्रमुख नारा था और चुनावों से पूर्व राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना को भारत का "एक्स रे" बताया था।

उन्होंने कहा था कि "कोई नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राहुल गांधी जात/जाति आधारित जनगणना को देश का "एक्स-रे" लेना बताया। राहुल ने इस संदर्भ में यह भी कहा कि देश में कितने बैकवर्ड, दलित और आदिवासी हैं, यह किसी को मालूम नहीं, अतः "एक्स-रे" लेना जरूरी है।**

नए राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े जयपुर पहुंचे

जयपुर, 30 जुलाई (का.सं.)। राज्य के मनोनीत राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े मंगलवार दोपहर को राजकीय वायुयान से जयपुर पहुँचे। एयरपोर्ट पर वायुयान से उतरते ही राज्यपाल बागड़े को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित मंत्री परिषद् के अन्य सदस्यगण, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू सहित, वरिष्ठ प्रशासनिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रशासन एवं पुलिस के बड़े अधिकारी भी मौजूद थे।**

ममता बनर्जी को बांग्लादेश से आने वाले "घुसपैठियों" को बंगाल आने का खुला निमंत्रण देना भारी पड़ेगा

इसे बंगाल का "डैमोग्राफिक" नक्शा बदलने की तैयारी मान रहे हैं, बंगाल के स्थानीय राजनीतिज्ञ व नेतागण

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जुलाई। बाँग्लादेश की सरकार के नौकरी में आरक्षण के आदेश का विरोध करने वाले बाँग्लादेशियों को ममता बनर्जी के आमन्त्रण की पश्चिम बंगाल की राजनीति में गम्भीर प्रतिक्रियाएं हो रही हैं।

यह मुद्दा विपक्ष के लिये एक बड़ी राजनैतिक चुनौती बन गया है क्योंकि विपक्ष का मानना है कि ममता बनर्जी न केवल बंगाली हिन्दुओं, बल्कि पश्चिम बंगाल के मुस्लिमों के हितों के भी विरुद्ध जा रही हैं।

राजनेताओं का कहना है कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख की इस मुद्रा के फलस्वरूप राज्य की जनसांख्यिकी (डैमोग्राफी) बदल रही है तथा घुसपैठ दिन-पर-दिन बढ़ती जा रही है। विपक्षी दलों से जुड़े कुछ राजनेता कह रहे हैं कि स्कूल बंद हो रहे हैं तथा मदरसे बढ़ते जा रहे हैं।

इसी सन्दर्भ में, ममता बनर्जी ने म्याँमार के रोहिंग्याओं को भी शरण दी है तथा पश्चिम बंगाल में रोहिंग्याओं के लिये नियमित तथा स्थाई शिविर लगे हुये हैं। ये घुसपैठिये जमीन पर कब्जा कर रहे हैं तथा इलाकों पर दबदबा बना रहे हैं। यही नहीं, अपने आक्रामक रुख से ये स्थानीय लोगों को धमका रहे हैं।

राज्य पुलिस भी इन बस्तियों की ओर आखें मूँदे हुए हैं तथा सच तो यह है कि पुलिस उन्हें मौन एवं अप्रत्यक्ष संरक्षण प्रदान कर रही है। ये रोहिंग्या स्थानीय प्रशासन से आधार कार्ड तथा राशन कार्ड प्राप्त करने की व्यवस्था बड़ी आसानी से बिठा रहे हैं। स्वाभाविक ही है कि वे सत्तारुढ़ तृणमूल के सक्रिय वोट बैंक हैं।

जहाँ भाजपा साफ तौर पर इसका दोषारोपण सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर कर रही है, वहीं अन्य विपक्षी दल इस बिन्दु पर प्रायः भाजपा के साथ नहीं हैं। वामपंथी दल तथा कांग्रेस घुसपैठ का विरोध करने में खुली विफलता के लिये भाजपा और केन्द्र सरकार पर दोषारोपण कर रहे हैं।

वामपंथी, तथा खासतौर से कुछ युवा नेता, कह रहे हैं कि चाहे वामपंथियों का शासन हो या वर्तमान शासन, पड़ोसी राज्यों से गैर कानूनी आप्रवासन (विदेशियों का आना तथा बसना) को रोकने की जिम्मेदारी मुख्यरूप से केन्द्र सरकार की है। अगर घुसपैठ हो रही है तथा रोहिंग्या चोरी-छिपे भारत में आ गए हैं तो यह देश के सीमावर्ती इलाकों की सुरक्षा में केन्द्र की ही असफलता है।

यह घुसपैठ का मुद्दा, तथा तृणमूल का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पुराने वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि ममता बनर्जी के खुले निमंत्रण से, 1946 की भांति, बंगाल का माहौल पूर्णतया "साम्प्रदायिक" होने की प्रबल संभावना है।**
- **ममता बनर्जी ने ऐसा ही निमंत्रण, रोहिंग्याज़ को भी दिया था। उनके शिविर लगाये गये तथा राशन कार्ड, आधार कार्ड उपलब्ध कराने में भी मदद की थी। नतीजा यह हुआ कि सरकारी प्रश्रय के कारण रोहिंग्याज़ स्थानीय निवासियों पर हावी होने लगे तथा आक्रामक भी हो गए।**
- **इसीलिये कई क्षेत्रों से, जैसे मालदा, मुर्शिदाबाद आदि स्थानों से आवाज़ उठने लगी कि इन क्षेत्रों को केन्द्र शासित क्षेत्र बनाया जाये।**

एन.सी.डी.आर.सी. में दो पदों पर नियुक्ति

नई दिल्ली, 30 जुलाई। कैबिनेट की अपॉइन्टमैंट कमेटी ने उपभोक्ता मामलात विभाग की सिफारिश पर नैशनल कन्ज़्यूमर डिस्प्यूट रिड्रैसल कमीशन (एन.सी.डी.आर.सी.) में दो पदों पर अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दी है।

एन.सी.डी.सी. में नियुक्ति पाने वाले अधिकारी राजस्थान कैडर के 1989 बैच के आई.ए.एस. अधिकारी एवं उपभोक्ता मामलात विभाग के पूर्व सचिव रोहित कुमार सिंह एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **केन्द्र सरकार ने राजस्थान कैडर के 1989 बैंच के रिटायर्ड आई.ए.एस. रोहित कुमार सिंह व इलाहाबाद हाईकोर्ट की रिटायर्ड जज सरोज यादव को नियुक्त किया है।**